(1540-45) ← History

मुगल वंश → सूरी वंश का संस्थापक

शेरशाह → बचपन का नाम :- फरीद खां
Childhood name — Farid Khan

उपाधि (Title): शेर खां (मुहम्मद बहार खां लोहानी द्वारा)
Sher Khan (by Muhammad Bahar Khan Lohani)

पिता (Father): हसन खां (सासाराम के जमींदार) → बिहार
Hasan Khan (Zamidar of Sasaram)

सूरी वंश
1540-1555

पुत्र (Son):- इस्लाम शाह (Islam Shah)

निर्माण (Construction):- रोहतासगढ किला (Rohtasgarh Fort)
↓
किला-ए-कुहना (Quila-e-Kuhna)

मृत्यु (Death): 1545 में कालिंजर को जीतने के समय
at the time of conquering Kallijar in 1545

मकबरा (Tomb): सासाराम (Sasaram)
बिहार

महत्वपूर्ण तथ्य
Important facts

- इसने भूमि की माप के लिए सिकन्दरी गज एवं सन की डंडी का प्रयोग किया
  For the measurement of land, he used the Sikandri yard and flax stick
- कबूलियत तथा पट्टा प्रथा की शुरूआत की
  Started confession and Patta system.
- डाक प्रथा का प्रचलन (Prevalence of Postal system)
- रुपया चलाया (Run money)
- ग्रैंड ट्रंक रोड बनवाया (इसे सड़क-ए-आजम कहा जाता था)
  Built the Grand Trunk Road (it was called Sadak-e-Azam)

अकबर → (1556-1605)

जन्म (Birth) :- 15 अक्टूबर 1542 अमरकोट के राणा वीरसाल के महल में (15 October 1542 in the palace of Rana Virsal of Amarkot.)

पिता (father) :- हुमायूँ (Humayun)

माता (mother) :- हमीदा बानू (Hamida Banu) → बेगम

शिक्षक (Teacher) :- अब्दुल लतीफ (Abdul Latif)

संरक्षक (Patron) :- बैरम खां (Bairam Khan)
↓
बॉडीगार्ड, रीजेन्ट

गुरू (Guru) :- सूफी सन्त शेख सलीम चिश्ती
Sufi saint Sheikh Salim Chisti

राज्याभिषेक, Coronation :- पंजाब के कलानौर में
in Kalanaur, Punjab
↳ (13 वर्ष 4 महीने की उम्र 14 फरवरी 1556)
13 years 4 months old 14 February 1556

* **पत्नियाँ Wives** →
- रूकाइय्या बेगम (प्रथम I) Ruqaiya Begum
- सलीमा सुल्तान (पहले बैरम खां की पत्नी)
Salima Sultan (First wife of Bairam Khan)
- हरखा बाई Harkha Bai

पूरा नाम / full name :- राजकुमारी हीरा कुवांरी
Princess Hira Kuvanri

प्रसिद्ध नाम / Famous Name :- जोधा बाई (उपाधि)
Jodhabai (Title)

उपाधि (Title) :- मारियम उज जामानि बेगम साहिबा
Mariam Uz Zamani Begum Sahiba

पिता (Father) :- राजा भारमल (Raja Bharmal)

पुत्र (Son) :- जहाँगीर (Jahangir)

◦) बैरम खां का संरक्षण काल (1556-60)
Protection period of Bairam Khan

◦) बैरम खां की ईमानदारी के कारण अकबर ने खान-ए-खाना की उपाधि दी।
Due to the honesty of Bairam Khan, Akbar gave him the title of Khan-e-Khana.

◦) 1561 में अकबर के कहने पर बैरम खां मक्का जाने को तैयार हुआ (Bairam Khan agreed to go to Mecca in 1561 at the behest of Akbar)

मृत्यु (Death) :⇒ 1561 (पाटन गुजरात) मुबारक खां के द्वारा
1561 (Patan Gujarat) by Mubarak Khan

पेटीकोट शासन | पर्दाशासन (1560-62)
Petticoat rule | Pardasan (1560-62)

शासन (Ruled by) :- अकबर की धाई मां माहम अनंगा और उसके पुत्र अधम खां द्वारा किया गया। Ruled by Maham Anga and his son Adham Khan.

◦) इबादत खाना का निर्माण - 1575
Construction of Ibadat Khana - 1575

* मनसबदारी प्रथा :- 1577 → अन्य स्रोत में → 1575
Mansabdari Partha
↳ अकबर ने मंगोलो से ग्रहण की
Akbar took over from the Mangols

* हल्दी घाटी का युद्ध - 1576
Battle of Haldi Ghati

◦) अकबर ने महाराणा प्रताप को पराजित किया
Akbar defeated Maharana Pratap.

नोट :- अबुल फजल ने इस युद्ध को खामनौर का युद्ध कहा
Note :- Abul Fazl called this war the war of Khamnore

* अकबर की धार्मिक नीतियाँ *
Akbar's religious policies

- अकबर ने सुल्ह-ए-कुल की नीति अपनाई
  Akbar adopted the policy of Suhl-e-Kul
- 1562 - युद्ध बंदियों को दास बनाने पर रोक
  Prohibition on enslaving war prisoners
- 1563 - तीर्थयात्रा कर समाप्त (Pilgrimage tax abolished)
- 1564 - जजिया कर समाप्त (Jazya Kar abolished)
- 1579 - महजर की घोषणा (Proclamation of Mahjar)
- 1582 - दीन-ए-इलाही - अर्थ :- एकेश्वरवाद - कुल = 18 सदस्य
  ↓ Din-I-Ilahi - meaning monotheism ↓
  एकमात्र हिन्दु सदस्य → बीरबल

* स्वीकार करने वाला प्रथम व अन्तिम हिन्दु - बीरबल
First and Last Hindu to accept - Birbal

∴ बदायूँनी और अबुल फजल ने इसे (दीन-ए-इलाही) तौहीद-ए-इलाही कहा।
Badayuni and Abul Fazl called it Tauheed-e-Ilahi

1583 में हीजरी संवत के स्थान पर इलाही संवत को अपनाया
In 1583, Elahi Samvat was adopted in place of Hijri Samvat.